IL&FS ने इंफ्रा फंड के लिए ₹750 करोड़ जुटाए

वैसे लोन खरीदे जाएंगे जो बैंकों और दूसरे FI ने इंफ्रा प्रोजेक्ट्स के लिए दिए हैं

[स्नेहा शाह & बैजू कलेश | मुंबई]

IL&FS इंफ्रा एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड ने 5 अरब डॉलर के अपने इंफ्रास्ट्रक्चर डेट फंड के पहले हिस्से के रूप में 750 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। एक सीनियर एग्जिक्यूटिव ने बताया कि इस फंड का इस्तेमाल ऐसे लोन को खरीदने में किया जाएगा, जिन्हें बैंकों और दूसरे फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस ने इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए कंपनियों को दिया है।

फाइनेंशियल ईयर 2012 के बजट में सरकार ने इस तरह के इंफ्रा डेट फंड बनाने से जुड़ी योजना का ऐलान किया था ताकि बैंक इस दिशा में कदम उठाएं। उसके बाद से IL&FS फंड ऐसा पहला इंफ्रा डेट फंड है। इकनॉमी में स्लोडाउन और पावर, रोड, एयरपोर्ट जैसे सेगमेंट्स की कंपनियों को लोन देने में बैंकों की हिचक के कारण इंफ्रा सेक्टर में फंड की आवक कम रही। इसे देखते हुए सरकार को इस सेक्टर के लिए लंबी अवधि के कर्ज जुटाने के नए सोर्सेज पर गौर करना पड़ा। सरकार को उम्मीद है कि मार्च 2017 तक के फाइव ईयर प्लान पीरियड में इंफ्रा सेक्टर में 1 लाख करोड़ डॉलर का इनवेस्टमेंट होगा।

IL&FS फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के एमडी और चीफ एग्जिक्यूटिव रमेश बावा ने कहा कि हमारा इरादा दूसरी कई स्कीम्स लॉन्च कर अपना एसेट अंडर मैनेजमेंट 5 अरब डॉलर करने का है। हम डोमेस्टिक और फॉरेन, दोनों तरह के लॉन्ग टर्म इनवेस्टर्स से फंड जुटाएंगे। IL&FS

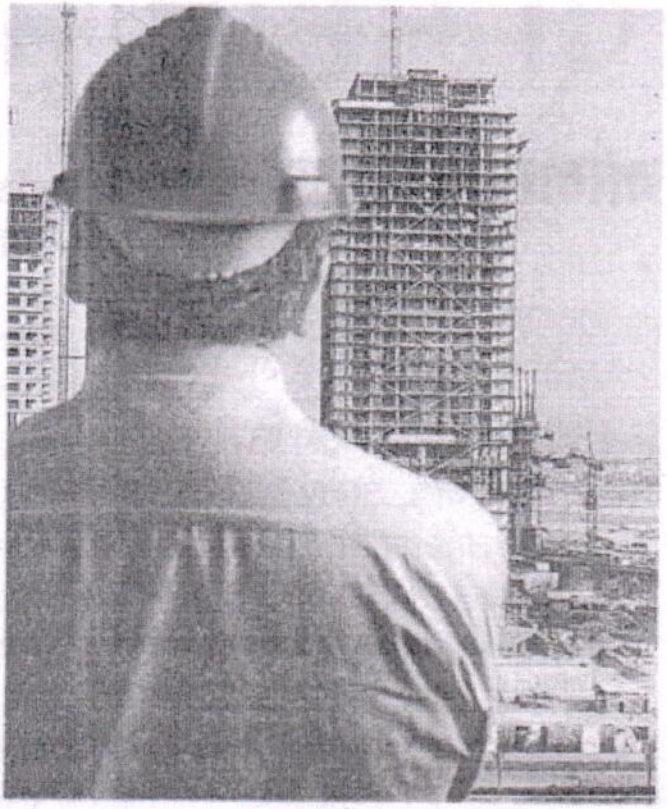

फाइनेंशियल सर्विसेज और देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी LIC ने मिलकर IL&FS इंफ्रा एसेट मैनेजमेंट का गठन किया था।

शुरुआती फंड में बैंक ऑफ इंडिया, केनरा बैंक, इंडियन बैंक, इलाहाबाद बैंक, ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स और जॉइंट वेंचर के दोनों पार्टनर्स ने योगदान किया है। इन फंड्स का मैच्योरिटी पीरियड 5 और 10 साल होगा।

IL&FS इंफ्रा एसेट मैनेजमेंट मार्च 2014 तक सरकारी बीमा कंपनियों से और 1,250 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। इसने हांगकांग और चीन से फंड जुटाने के लिए हैमॉन ग्रुप ऑफ इनवेस्टर्स से भी करार किया है। बावा ने कहा कि हैमॉन ग्रुप इस फंड में 2 करोड़ 50 लाख डॉलर इनवेस्ट करने पर राजी है। उसने फंड के लिए 20 करोड़ डॉलर जुटाने का वादा भी किया है।